such request for review has been received by Govt.

(b) Does not arise.

(c) and (d) The Government continuously interacts with exporters and finetunes the policies with a view to increase our exports.

Additional Employment Opportunities

1366. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether any target has been fixed for generating additional employment opportunities during the Eighth Five Year Plan period;

(b) if so, the details thereof;

(c) the actual employment generated during the first two years of the plan; and

(d) what is the share of Madhya Pradesh therein?

THE MINISTER OF LABOUR (SHRI P.A. SANGMA): (a) and (b) The Eighth Five Year Plan envisaged an employment growth rate of 2.6% to 2.8% per annuam or on an average 8.5 million additional employment opportunities per annum corresponding to an average annual rate of growth of the economy of 5.6%.

(c) Additional employment opportunities of the order of 6.58 million and 5.02 million are estimated to have been created in 1992-93 and 1993-94 respectively. That is employment growth was 2.18% in 1992-93 and 1.63% in 1993-94.

(d) State-wise break-up of the above estimates has not been made.

चाय का उत्पादन

1367. **प्रो० राम लखन सिंह यादव:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में चाय का कुल कितना उत्पादन हुआ;

(ख) देश में कौन-कौन से राज्यों में चाय का उत्पादन होता है और गत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक राज्य में चाय का कितना उत्पादन हुआ;

(ग) क्या यह सच है कि विदेशों में भारतीय चाय की बहुत मांग है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार विभिन्न राज्यों के पहाड़ी क्षेत्रों में चाय की खेती को बढ़ावा देने पर विचार कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम): (क) तथा (ख) वर्ष 1992, 93 और 1994 के दौरान प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों में हुए चाय उत्पादन के राज्यवार ब्यौरो दर्शाने वाला एक विवरण-पत्र संलग्न है। **(नीचे देखिए)**

(ग) भारतीय चाय इस समय विश्व के 80 से भी अधिक देशों को निर्यात की जाती है।

(घ) तथा (ङ) परम्परागत क्षेत्रों में चाय के तहत आने वाले भूक्षेत्र के विस्तार में आ रही बाधाओं को देखते हुए, सरकार अरूणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मेघालय। मणिपुर, उड़ीसा, सिक्किम, मिजोरम, उत्तर प्रदेश में गढ़वाल तथा कुमाउं पहाड़ियों, केरल के इदुकी तथा वाइनाड जिलों, कर्नाटक के कोडागु जिले, अन्नामलाई में कोडाइकनाल और असम में एनसी पहाड़ियों जैसे गैर-परम्परागत क्षेत्रों में चाय की खेती को प्रोत्साहित करती रही है। इन राज्यों में चाय रोपण के लिए लगभग 73,000 हेक्टेयर भूक्षेत्र उपयुक्त पाया गया है।

गैर-परम्परागत क्षेत्रों में नए रोपण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चाय बोर्ड संभावित उपजकर्त्ताओं को दीर्घावधि ऋण और पूंजीगत इमदाद देने के लिए सन् 1982 से "नई चाय एकक वित्तपोषण योजना" चला रहा है। बोर्ड द्वारा न्युक्लेयस नर्सरियों की स्थापना के लिए पूंजीगत अनुदानों के रूप में विशेष सहायता भी दी जा रही है। इनके अलावा, चाय बोर्ड इन क्षेत्रों में नए उद्यमों के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु परामर्शी शुल्कों पर इमदाद भी दे रहा है।

वर्ष 1992, 93 और 1994 के दौरान चाय का राज्यवार उत्पादन

उत्पादन मिलियन किग्रा० में

राज्य	1992	1993*	1994*
असम	412.01	402.95	399.33
पश्चिमी बंगाल	150.69	168.02	156.50
अन्य	7.72	7.75	8.10
योग (उत्तरी भारत)	570.42	578.72	563.93